Title: Need to release adequate funds for early completion of drinking water projects in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

राम ्सजी्वन (बान्दा): अध्यक्ष महोद्य, उत्तर प्रदे्श का दक्षिणी ्भाग जि्सको ्बुन्देलखंड के नाम ्से जाना जाता है, अधिकां्श ्भाग पहा्ड़ी, ऊंचा-नीचा ्व ऊ्बड़-खा्ब्ड़ है। पानी की कमी के कारण ्सूखे ्से पी्ड़ित रहता है। इसके दो जिले ्बांदा और चित्रकूट पे्यजल की कमी और ्सिंचाई की कमी ्से उत्पन्न ्सूखे के कारण ्स्वाधिक प्रभा्विति होते हैं। लोक ्सभा के ्विगत ्सत्र में मैंने ्बांदा और चित्रकूट जिलों में पे्यजल के अ्भा्व की लगातार ्बिग्ड़ती और गहराती जा रही ्सम्स्या की ओर ्सदन और ्सरकार का ध्यान आकर्ति कि्या था और चिन्ता व्यक्त की थी। मैंने आ्शा प्रकट की थी कि केन्द्र ्सरकार ्सम्य रहते ्शीघ्र कदम उठाएगी और पे्यजल की ्स्थाई और तत्कालिक ्योजनाएं ्बनाकर पी्ड़ित लोगों को राहत देने की कार््वाई ्शुरू कर देगी। परन्तु अ्भी तक कोई ्भी कदम नही उठा्या ग्या है। इसलिए ्भी्ण गर्मी ्शुरू होते ही उक्त दोनों जिलों के नि्वा्सी पे्यजल की कमी ्से जूझ रहे हैं। पीने के पानी के अ्भा्व ्से लोगों में हाहाकार मचा है। पानी की तला्श में मनु्य और म्वे्शी इधर-उधर ्भटक रहे हैं। ्सहा्यता राहत हेतु कदम उठाने तथा दोनों जिलों में हैंडपम्प लगाने ्व अन्य ्योजनाओं हेतु द्स-द्स करो्ड़ रुपए ्स्वीकृत करने का लिखकर अनुरोध करने के ्बा्वजूद कोई कदम नहीं उठा्या ग्या है। केन्द्र ्सरकार ने ्सूखा और पे्यजल की ग्ंभीर ्सम्स्या ्से पी्ड़ित जिन प्रदे्शों, क्षेत्रों ्व इलाकों की घो्णा की है उनमें मध्य प्रदे्श की ्सीमा ्से ्सटे हुए पी्ड़ित जिलों ्बांदा और चित्रकूट को ्शामिल नहीं कि्या ग्या। इसलिए तत्काल जांच कराएं और हैंडपम्प ्व अन्य अधूरी ्व लं्बित पे्यजल ्योजनाओं के लिए तत्काल धन अ्वमुक्त कि्या जाए और अ्विल्ंब कार्य ्शुरू कि्या जाए।

MR. SPEAKER: Only the approved text will go on record and nothing else.